हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com सोमवार, 7 जून 2010 नई दिल्ली, नगर, ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, एकादशी, विक्रम संवत 2067, वर्ष 75, अंक 134, 16 पेज, मूल्य 3.50 रुपये

नौ सौ आसनों का पेटेंट कराएगा भारत

तकरीबन 900 आसनों के पेटेंट की तैयारी, विदेशी कंपनियों के पेटेंट रद्द होंगे

मदन जैड़ा

नई दिल्ली

भारत अपने पारंपरिक ज्ञान योग को सुरक्षित करने और पश्चिमी देशों में खुली योग की दुकानों का शटर गिराने की जोरदार तैयारी कर रहा है। सरकार तकरीबन 900 योग आसनों का पेटेंट कराने जा रही है। यही नहीं, जिन आसनों पर विदेशी कंपनियों ने पेटेंट हासिल कर लिए हैं उन्हें भी रद्द करने की मुहिम छेड़ी जाएगी।

योग आसनों के कई भाषाओं में पेटेंट फॉर्मेट तैयार कर लिए गए हैं तथा इन्हें ट्रेडिशनल नॉलेज लाइब्रेरी (टीकेडीएल) में शामिल किया जा रहा है। टीकेडीएल परंपरागत चिकित्सा ज्ञान को संग्रहित करने के लिए बनाया गया है तथा इसमें दर्ज दवाओं और योग आसनों को पेटेंट का दर्जा प्राप्त है।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) टीकेडीएल परियोजना को देख रहा है। टीकेडीएल के निदेशक डॉ. वी. के. गुप्ता ने बताया कि न सिर्फ योग और प्राणायाम के आसनों से जुड़ी जानकारी इसमें रहेगी बल्कि आसनों के वीडियो चित्र भी तैयार किए जा रहे हैं ताकि विश्व में इनकी चोरी रुके। कुल 900 आसनों का जिक्र भारतीय ग्रन्थों पातंजलि योग सूत्र, भागवत गीता और अष्टांग हृदय में मिलता है। इनमें से 250 बेहद महत्वपूर्ण हैं, जिनकी दुनिया के कई देशों में नकल हो रही है। इन पर कई कंपनियों ने पेटेंट हथिया लिए हैं। वे बीमारियों के निदान के लिए इन योग आसनों को उत्पाद के रूप में बेच रही हैं। मसलन, तनाव मुक्ति के लिए फलां आसन या प्राणायाम, पीठ के दर्द के लिए अमुक आसान। इनके जरिए कंपनियां मोटी कमाई कर रही हैं, जबकि ये आसान हमारे परंपरागत चिकित्सा ज्ञान का हिस्सा हैं।

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

कहां क्या

3000 पेटेंट, योग और प्राणायाम उत्पाद पर अमेरिका में

70 पेटेंट, योग के आसनों पर अमेरिका और यूरोप मे

40 खरब डॉलर, यूएस में 2006 में योग का कारोबार